रजिस्ट्री सं० डी०-222

REGISTERED NO. D-221

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 29, 1967 (वैशाख 9, 1889)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29, 1967 (VAISAKHA 9, 1889)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 11 अप्रैल, 1967 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 11th April, 1967:—

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
52	No. 30-ITC (PN)/67, dated 6th April, 1967.	Ministry of Commerce	Import Policy for Newsprint—Printing & writing paper (excluding laid marked paper) which contains mechanical wood pulp amounting to not less than 7% of fibre contents—S. No. 44/V—for the year April 1967 —March 1968
53.	No. 1/1/67-COR, dated 9th April, 1967.	Min. of Labour, Employment and Rehabilitation (Deptt. of Rehabilitation).	Constitution of the Committee of Review of Rehabilitation work in West Bengal.
54.	No. 28 (63/Plant (A)/66 dated 10th April, 1967.	Min. of Commerce.	Substitution of appointment date.
55.	No. 37/1/1/67—T dated 11th April, 1967.	Ministry of Lok Sabha Secretariat.	Prorogation of Lok Sabha
	सं० 37/1/एक/67/टी० दिनांक 11-4-1967।	लोक सभा सचिवालय	लोक सभा का सत्रावसान।

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	475
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	381

	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	13
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	311
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	629
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1495
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	97
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	251
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	187
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	53
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं ..	221
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	75
पूरक सं० 17—	
22 अप्रैल 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट ..	643
1 अप्रैल 1967 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े ..	659

	Pages
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	475
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court)	381
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	13
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	311
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	629
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1495
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	97
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	261
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	187
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	53
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	221
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	75
SUPPLEMENT No. 17—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 22nd April 1967	643
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 1st April 1967 —	659

भाग I खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1967

सं० 32-प्रेज/67—राष्ट्रपति आन्ध्र प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री कासीरेड्डी गंगाराजू,
पुलिस कान्स्टेबल सं० 1228,
पूर्वी गोदावरी जिला,
आन्ध्र प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

9/10 अगस्त, 1966 की रात को कान्स्टेबल कासीरेड्डी गंगाराजू एक और कास्टेबल के साथ गश्त ड्यूटी पर था जब उसने देखा कि एक व्यक्ति संदेहास्पद हालत में एक जा रही बैलगाड़ी की एक ओर में छिप कर जा रहा था। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बिना उत्तर दिये भागने की चेष्टा की। कास्टेबल गंगाराजू ने उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। उस व्यक्ति ने अचानक एक तेज धार का हथियार निकाला और कान्स्टेबल के सिर के बायीं ओर प्रहार किया। सख्त घाव और अत्याधिक रक्तस्राव के बावजूद, कान्स्टेबल गंगाराजू ने संदिग्ध व्यक्ति को कसकर पकड़े रखा। तब वह व्यक्ति कान्स्टेबल गंगाराजू से गुत्थमगुत्था हो गया और उसने इस दौरान कान्स्टेबल गंगाराजू के शरीर पर कई जगहों पर काट लिया। कान्स्टेबल गंगाराजू ने फिर भी उसे नहीं छोड़ा और कुछ ग्रामवासियों की सहायता से उस संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफल हो गया।

कान्स्टेबल कासीरेड्डी गंगाराजू ने सशस्त्र आक्रामक को पकड़ने में प्रशंसनीय साहस, पहलशक्ति और उच्च स्तर की कर्त्तव्यपारायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 अगस्त, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 33-प्रेज/67—राष्ट्रपति जम्मू एवं काश्मीर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अली मुहम्मद वनी,
पुलिस कान्स्टेबल सं० 649,
2री बटालियन, जम्मू एवं काश्मीर सशस्त्र पुलिस,
जम्मू एवं काश्मीर। (स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिय पदक प्रदान किया गया

22 जून, 1965 को जम्मू जिले के किशनपुर ग्राम का अशोक कुमार नामक एक लड़का तवी नदी में नहाने के लिये गया हुआ था। जब लड़का नदी में पानी को काटता हुआ आगे बढ़ रहा था तो वह पानी के तेज बहाव में आ गया और एक भंवर में, जहां नदी 14 फुट गहरी थी, फंस गया। कान्स्टेबल अली मुहम्मद वनी जो उस समय नदी के किनारे पर था, लड़के को इस हालत में देखा तो शोर मचाया जिसपर लोग नदी की ओर भागे। इस बीच कान्स्टेबल अली मुहम्मद वनी अपने प्राणों को भारी संकट में डाले जाने की परवाह न कर नदी में कूद पड़ा और लड़के तक पहुंच कर उसे भंवर से बाहर निकालने का प्रयत्न करने लगा। उसके इस कठोर प्रयास में लड़के ने कान्स्टेबल को जकड़ लिया। भरसक चेष्टा के बावजूद कान्स्टेबल अपने आपको उस से मुक्त न कर सका तथा फलस्वरूप वह एवं लड़का दोनों भंवर में फंस गये और पानी में डूब गये।

कान्स्टेबल अली मुहम्मद वनी ने अपनी जान देकर भी लड़के की जान बचाने की कोशिश करके उच्च स्तर की बहादुरी तथा महान कर्त्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 22 जून, 1965 से दिया जायगा।

सं० 34-प्रेज/67—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गजराज सिंह,
कान्स्टेबल सं० 652,
8वीं बटालियन, राजस्थान सशस्त्र कान्स्टेबुलरी
राजस्थान।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

नवम्बर, 1965 के अन्तिम सप्ताह में नेफा में एक चौकी के कमाण्डर को यह सूचना मिली कि चीनी काफी संख्या में भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहे हैं। तदनुसार 26 जनवरी, 1965 को इस सूचना की यथार्थता का पता लगाने के लिये कान्स्टेबल गजराज सिंह के नेतृत्व में एक गश्ती दल भेजा गया। जब गश्ती दल सीमा के दक्षिण में लगभग 500 गज की दूरी पर एक स्थान पर पहुंचा तो चीनियों के एक दल ने जो उस समय तक भारतीय सीमा में प्रवेश कर चुका था, अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। कान्स्टेबल गजराज सिंह के जो उस समय अपने साथियों को संकेत दे रहा था, बाजू पर एक गोली लगी और वह नीचे गिर पड़ा। इसके बावजूद कि वह बुरी तरह घायल हो गया था उसने चीनियों पर गोली चला दी जो उसे पकड़ना चाह रहे थे। चीनियों द्वारा बार-बार गोलीबारी करने के बावजूद उसने उन्हें दूर रखा और अन्ततः उन्हें पीछे हट जाने पर बाध्य कर दिया।

इस प्रकार कान्स्टेबल गजराज सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह न कर विशिष्ट बहादुरी और उच्च स्तर की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 नवम्बर, 1965 से दिया जायगा।

सं० 35-प्रेज/67—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जगदीश प्रसाद दूबे,
पुलिस उप-निरीक्षक,
मुरेना जिला,
मध्य प्रदेश।

श्री जीवन सिंह भदोरिया,
पुलिस उप-निरीक्षक,
मुरेना जिला,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

23 अगस्त, 1966 को यह सूचना मिली कि सुम्रा एवं सूरत नामक कुख्यात डाकुओं का एक गिरोह मुरेना जिला के जारेह नामक ग्राम में है। पुलिस दल के छः अधिकारी तथा पांच स्थानीय व्यक्तियों का एक दल गिरोह को फांसने के लिये तैनात किया गया। अपने आपको डाकूओं का गिरोह दर्शाते हुये और पुलिस द्वारा पीछा किये जाने के कारण वे भागे हुए हैं, ऐसा बताते हुये यह पुलिस दल जारेह गांव में गया और सुम्रा तथा सूरत को यह संदेश भेजा कि वे उनकी सहायता तथा शरणार्थ उनके इलाके में आये हैं अतः वे उनके पास आयें और उनसे मिलें। यह अभिनय ऐसी वास्तविकता से किया गया कि 25 अगस्त, 1966 की प्रातः सुम्रा और सूरत ने दल से मिलना स्वीकार कर लिया। निश्चित् समय पर सुम्रा और सूरत कंधों पर 303 राईफल्स लटकाये हुए निर्दिष्ट मिलनस्थान पर पहुंच गये। उप-निरीक्षक जीवन सिंह भदोरिया जिसने डाकू जैसी पोशाक पहनी हुई थी, सुम्रा से मिला और उसे अपने "गिरोह" के मुखिया (उप-निरीक्षक जगदीश प्रसाद दूबे) से मिलने के लिये ले गया। जब श्री दूबे सुम्रा से गले मिलने के लिये आगे झुका तो डाकू को संदेह हो गया और डाकू ने तुरन्त अपनी राईफल तान ली और श्री दूबे पर गोली चला दी। प्रत्युत्पन्नमति का महान परिचय देते हुये श्री दूबे ने बंदूक की नाल को एक तरफ झटका दिया और इस प्रकार निश्चित् मृत्यु से बच गया। श्री दूबे तब सुम्रा से गुत्थमगुत्था हो गये और तबतक जबर्दस्त हाथापाई में झूझे रहे जबतक श्री भदोरिया ने सुम्रा को गोली मार कर उसे मौत के घाट न उतार दिया। इसी बीच दूसरा डाकू उप-निरीक्षक भदोरिया पर अपनी राईफल से निशाना बांधे हुए आगे बढ़ा किन्तु श्री भदोरिया भूमि पर लेट गये और सूरत की टांगें खींच कर उसे नीचे गिरा दिया। डाकू ने बच निकलने की आशा में हताश हो कर दो गोलियां चलाई किन्तु दल के दूसरे सदस्यों द्वारा वह गोली से उड़ा दिया गया।

उप-निरीक्षक जगदीश प्रसाद दूबे और जीवन सिंह भदोरिया ने अपने कर्त्तव्य की सीमा से आगे बढ़ कर पर्याप्त खतरा उठाया और कुख्यात डाकूओं का सफाया करने के लिये अपने प्राणों तथा सुरक्षा को संकट में डाला।

2. ये पदक राष्ट्रपति पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 25 अगस्त, 1966 से दिया जायेगा।

सं० 36-प्रेज/167—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अब्दुल गनी,
हैड कान्स्टेबल सं० 743,
1ली विशेष सशस्त्र दल प्रशिक्षण बटालियन,
इन्दौर,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

30/31 अगस्त, 1966 की रात को शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक ने शिवपुरी जिले में स्थित मोरई जंगल में प्रीतम एवं दुलहाजू नामक कुख्यात डाकुओं के गिरोह के विरुद्ध अभियान किया। इस अभियान के दौरान हैड कान्स्टेबल अब्दुल गनी दायें पार्श्व में स्काउट का कार्य कर रहा था। जब स्काउट गिरोह से 40 गज की दूरी पर थे तो उनपर गोलीबारी की गई और पहली गोली हैड कान्स्टेबल अब्दुल गनी को लगी। घावों के बावजूद अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना, हैड कान्स्टेबल अब्दुल गनी ने आगे लपक कर एक हथगोला डाकूओं के बीच में फेंका। इसके फलस्वरूप एक डाकू तत्काल मारा गया और मुखिया दुलहाजू प्राणघातक रूप से घायल हो गया। शेष डाकू भाग गये और अपने पीछे तीन शस्त्र, अपने प्रयोग का बहुत सारा सामान तथा दो देहाती जिन्हें उन्होंने रोक रखा था, छोड़ गये।

हैड कान्स्टेबल अब्दुल गनी ने वीरता, पहलशक्ति और उच्च स्तर की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भता भी दिनांक 31 अगस्त, 1966 से दिया जायेगा।

नागेन्द्र सिंह,
राष्ट्रपति के सचिव

औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1967

सं० 18(4)पी० पी० ऐण्ड डी०/67—राष्ट्रीय उत्पादिता परिषद, जिसको समिति पंजीयन अधिनियम, 1860 (1860 का 21वां अधिनियम) के अधीन पंजीबद्ध किया गया है, के नियमों के नियम 3 के अंतर्गत भारत सरकार में निहित शक्तियों के द्वारा तथा उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना सं० 18 (1)प्रोड०/66, दिनांक 17 फरवरी 1966 का अधिलंगन करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा उपर्युक्त नियम के खण्ड (क) के अधीन श्री फखरुद्दीन अली अहमद, औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री, को तात्कालिक प्रभाव से राष्ट्रीय उत्पादिता परिषद का अध्यक्ष नामनिर्देशित करती है।

आर० के० रंगन, उप-सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1967

प्रस्ताव

सं० 14-7/67-ई० पी०—भारत सरकार ने श्री एस० एल० कटयाल के स्थान पर श्री ए० ओसवाल्ड को जो कि खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) में सहायक वन महानिरीक्षक हैं प्रस्ताव संख्या 14-15/64-ई०पी० दिनांक 28 नवम्बर, 1964 के अनुसार खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) द्वारा निर्मित वन पदार्थों के निर्यात सम्बन्धी तदर्थ समिति के सदस्य—सचिव के पद पर नियुक्त करने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव की एक प्रति भारत सरकार के मंत्रालयों/राज्य सरकारों/संघ क्षेत्रों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्व साधारण की जानकारी के लिए प्रस्ताव को भारत के गजट में प्रकाशित किया जाये।

हरि सिंह, वन महानिरीक्षक तथा संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 17th April 1967

No. 32-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Andhra Pradesh Police :—

Name of the Officer and rank.

Shri Kasireddi Gangaraju,
Police Constable No. 1228,
East Godavari District,
Andhra Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of the 9/10th August, 1966, Constable Kasireddi Gangaraju, was on patrol duty with another Police Constable when he noticed a man lurking under suspicious circumstances by the side of a bullock cart. When questioned, the man attempted to run away without giving any reply. Constable Gangaraju chased and caught him. The man suddenly whipped out a sharp edged weapon and hit the Constable on the left side of the head. In spite of a severe injury and though bleeding profusely, Constable Gangaraju did not let loosen his hold on the suspect. The man then grappled with Constable Gangaraju during which he bit him severely at several places. Constable Gangaraju still, did not release his grip and succeeded in arresting the suspect with the help of some villagers.

Constable Kasireddi Gangaraju showed commendable courage, initiative and devotion to duty of a high order in apprehending his armed assailant.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th August, 1966.

No. 33-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Jammu & Kashmir Police :—

Name of the Officer and rank.

Shri Ali Mohammad Wani,
Police Constable No. 649,
II Battalion, J & K Armed Police,
Jammu and Kashmir. *(Deceased)*

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd June, 1965, a boy named Ashok Kumar of village Kishanpur, District Jammu, had gone to the river Tawi to bathe. While the boy was wading in the river, he was caught by the swift current and carried into a whirlpool, where the river was about 14 feet deep. Constable Ali Mohammad Wani, who was at the river-side saw the plight of the boy and raised an alarm on hearing which people rushed to the river. Meanwhile, unmindful of the grave risk to his life, Constable Ali Mohammad plunged into the river, approached the boy and tried to get him out of the whirlpool. In his struggles the boy clutched on to the Constable. In spite of his best efforts the constable could not free himself with the result that both he and the boy were entrapped in the whirlpool, dragged under water and perished.

Constable Ali Mohammad Wani showed gallantry of a very high order and a deep sense of duty in attempting to save the life of the boy even at the cost of his own.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd June, 1965.

No. 34-Pres./67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name of the Officer and rank.

Shri Gajraj Singh,
Constable No. 652,
VIII Battalion, Rajasthan Armed Constabulary,
Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

In the last week of November, 1965 information was received by the Commander of a post in NEFA that the Chinese were moving towards the Indian territory in large numbers. Accordingly on the 26th November, 1965 a patrol party headed by Constable Gajraj Singh was deputed to verify the information. When the patrol party reached a place at about 500 yards south of the border, a party of Chinese which had already infiltrated inside Indian territory suddenly opened fire. Constable Gajraj Singh, who was at that time giving signals to his comrades, was hit by a bullet

in his arm and he fell down. Although he was seriously wounded he opened fire at the Chinese, who tried to capture him. In spite of the repeated firing by the Chinese he held them at bay, and ultimately forced them to retreat.

Thus Constable Gajraj Singh exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a very high order in utter disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th November, 1965.

No. 35-*Pres.*/67.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Names of the Officers and ranks.
Shri Jagdish Prasad Dube,
Sub-Inspector of Police,
Morena District,
Madhya Pradesh.

Name of the Officer and rank.

Shri Jiwan Singh Bhadoria,
Sub-Inspector of Police,
Morena District,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 23rd August, 1966, information was received that the notorious gang of dacoits of Sunna and Surat was in village Jareh of District Morena. A Police party of six officers and five local men was detailed to trap the gang. Themselves posing as a gang of dacoits who were on the run from the Police, the party went to village Jareh and sent word to Sunna and Surat seeking help and asylum in their territory and asking them to come and meet them. This scene was enacted so realistically that Sunna and Surat agreed to meet the party on the morning of 25th August, 1966. At the appointed time Sunna and Surat with .303 rifles slung on their shoulders arrived at the rendezvous, Sub-Inspector Jiwan Singh Bhadoria who was dressed as a dacoit, met Sunna and led him to meet the leader of his gang (Sub-Inspector Jagdish Prasad Dube). When, however, Shri Dube bent forward to embrace Sunna, the dacoit became suspicious and immediately taking hold of his rifle, fired at Shri Dube. With great presence of mind, Shri Dube whisked aside the barrel of the gun and escaped certain death. Shri Dube then grappled with Sunna and engaged him in a fierce hand-to-hand fight until Shri Bhadoria shot at Sunna and killed him. In the meantime the other dacoit rushed towards Sub-Inspector Bhadoria aiming his rifle at him, but Bhadoria dropped to the ground and catching Surat's legs pulled him down. The dacoits fired two shots in a desperate bid to get away but was shot dead by the other members of the party.

Sub-Inspectors Jagdish Prasad Dube and Jiwan Singh Bhadoria, took considerable risks and risked their lives and safety beyond the call of duty to eliminate the two notorious dacoits.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th August, 1966.

No. 36-*Pres.*/67.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name of the Officer and rank.

Shri Abdul Gani,
Head Constable No. 743,
1st Special Armed Force Training Battalion,
Indore, Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of 30/31st August, 1966, the Superintendent of Police, Shivpuri, carried out an operation against the gang of the notorious dacoits Pritam and Dulhaju, in Morai jungle of Shivpuri District. During this operation, Head Constable Abdul Gani was acting as a scout on the right-flank. When the scouts were at about 40 yards from the gang, they were fired upon and the very first shot hit Head Constable Abdul Gani. Undaunted by his injuries and in utter disregard of his personal safety, Head Constable Abdul Gani charged forward and lobbed a hand grenade into the midst of the dacoits. As a result of this one dacoit was killed and the dacoit leader Dulhaju was mortally wounded. The remaining dacoits ran away leaving behind three weapons, a huge pile of their belongings and the two villagers whom they had detained.

Head Constable Abdul Gani exhibited gallantry, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st August, 1966.

NAGENDRA SINGH, Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-11, *the* 12*th April*, 1967

No. 9/23/67-*Police IV*—The President is pleased to award the following Medals to the undermentioned officers of the Madras Police in recognition of their services in the specified areas of Nagaland:—

Sl. No.	Personal Number	Ranks	Name
		(a) *Police (Special Duty) Medal*	
1.	24	1302	Subedar P. C. Prabhakaran
2.	222	1214	Jemadar Narayanan Nambiar
3.	312	1222	Jemadar Balakrishnan Nair
4.	167	1304	Jemadar Krishnan Nambiar
5.	218	1309	Jemadar Balakrishanan
6.	513	1331	Jemadar Sekharan
7.	239	1216	Havildar Chathunni
8.	260	1217	Havildar Narayanan Nambiar
9.	283	1219	Havildar Kunhappa Adiyodi
10.	343	1225	Havildar Ali
11.	343	1225	Havildar Md. Rowther
12.	490	1228	Havildar Narayanan Nair
13.	516	1228	Havildar Balakrishan Nair
14.	554	1232	Havildar Gopalakrishna Menon
15.	616	1234	Havildar Gopala Menon
16.	633	1236	Havildar Damodaran
17.	901	1248	Havildar Karunakaran Nair
18.	1007	1249	Havildar Chellan
19.	558	1294	Havildar Kumaran
20.	451	1327	Naik Vesudevan Nair
21.	762	1351	Naik Appunni Nambiar
22.	768	1352	Naik Sankaran Nambiar
23.	776	1353	Naik Joseph
24.	799	1355	Naik Karunakaran Naik
25.	804	1356	Naik Francis
26.	822	1358	Naik Narayanan Nair
27.	823	1359	Naik Balan Nair
28.	827	1360	Naik Kunhunni Nair
29.	836	1361	Naik Kunhiraman Nambiar
30.	865	1365	Naik Raman Nair
31.	890	1367	Naik Kunhambu Nair
32.	895	1369	Naik Nayadikutty
33.	906	1370	Naik Padmanabhan Nair
34.	910	1371	Naik Raman Nair
35.	942	1374	Naik Radhakrishnan Nair
36.	950	1375	Naik Balakrishna Panicker
37.	952	1376	Naik Chandu
38.	967	1378	Naik Madhava Kurup
39.	974	1379	Naik Kunhikannan Nair
40.	981	1380	Naik Ramankutty Nair
41.	987	1381	Naik Gopalan
42.	992	1383	Naik Kunhikannan Nambiar
43.	996	1384	Naik Mathew
44.	1003	1385	Naik Padmanabhan Nair

(1)	(2)	(3)	(4)
45.	1004	1386	Naik Kunhikrishnan Nair
46.	1005	1387	Naik Kunhiraman Nair
47.	1027	1391	Naik Unnikrishnan Nair
48.	1034	1392	Naik Gopinathan Nair
49.	1055	1395	Naik Pureed
50.	1059	1396	Naik Sankaranarayanan
51.	1130	1401	Naik Gauvadharan
52.	1136	1402	Naik Balakurup
53.	599	1337	Constable Sankarakurup
54.	674	1342	Constable Govindan
55.	676	1343	Constable Raman Nair
56.	224	1412	Constable Balakrishnan
57.	965	1414	Constable Josheph
58.	1021	1415	Constable Hamza
59.	1057	1416	Constable Narayana Kurup
60.	1105	1417	Constable Kunhikannan Nair
61.	1119	1418	Constable Unneen
62.	1127	1419	Constable Sukumaran
63.	669	1241	Constable Kunhiraman
			(b) *Bar to the Police (Special Duty) Medal*
1.	22	1205	Subedar Madhavan Nair
2.	844	1362	Naik Krishnan
3.	1138	1403	Naik Karuppan
4.	642	1339	Constable Achuthan Nambiar
5.	1085	1397	Constable P. P. Mukundan

2. These awards are made under rule 2 of the rules governing the award of the Police (Special Duty) Medal.

G. L. BAILUR, Under Secy.

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 20th January, 1967

No. UI/106-09/65.—In pursuance of Section 3 of the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947 (XLVI of 1947), the Central Government is pleased to declare the following addendum to column 2 against the International Organisation viz., the Food and Agriculture Organisation enumerated at Serial No. 4 in column 1 of the subjoined table to the Notification No. 55-UNI issued on the 21st February, 1950 whereby the provisions of the schedule to the said Act were made applicable *mutatis mutandis* to the aforesaid Specialised Agency of the United Nations:—

Name of the organisation	Special Modification
1	2
4. Food and Agriculture Organisation of the United Nations.	In paragraph 3, after the words "the Deputy Director General" and before the words "of the Food and Agriculture Organisation" add the words "and the Assistant Director General".

G. D. CHAUDHRI, Under Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, he 12th April 1967

No. F. 2(21)-NS/66(i).—The Central Government hereby makes the following amendments to the Government of India, Ministry of Finance Notification No. F. 2(15)-7/NS/57 dated the 27th May, 1957 relating to Ten-Year Treasury Savings Deposits namely :

In the said Notification,—

(1) for paragraph 2, the following shall be substituted, namely :

"2. Interest : (a) *Before Maturity* : The deposits will bear interest at 4 per cent per annum. Interest will be paid annually on the completion of each period of twelve calendar months from the date of deposit. If the deposit is withdrawn before maturity, no interest will be allowed for any lesser periods.

(b) *After Maturity* : If repayment of the deposit is not claimed on its maturity, the depositor will be paid simple interest at the rate of 4½ per cent per annum on his deposit for a maximum period of five years from the date of maturity. Such interest shall be calculated on the amount deposited by him and be payable in respect of each completed year following the date of maturity, and also in respect of any period less than a year, provided such period is not less than six months; payment will be made to the depositor in one lump sum at the time the deposit is claimed by him after the date of maturity.

(c) *Exemption of interest income from income-tax* :

The amount paid on account of interest in terms of sub-paragraphs (a) and (b) will not be liable to income-tax and will nor also be taken into account in calculating the total income of the holder for purposes of income-tax."

(2) In paragraph 7, the following shall be inserted after Note (6) namely :—

"Note (7). Treasury Savings Deposit Certificates held after maturity shall be taken into account in determining a depositor's maximum holdings."

No. F. 2(21)-NS/66(ii).—The Central Government hereby makes the following amendments to the Government of India, Ministry of Finance Notification No. 7(1)B/51 dated the 22nd January, 1951 relating to Ten-Year Treasury savings Deposits, namely :—

In the said Notification, for paragraph 2(b), the following shall be substituted, namely :—

"(b) *After Maturity*—If repayment of deposit is not claimed on its maturity, the depositor will be paid simple interest at the rates mentioned below for a maximum period of five years from the date of maturity. Such interest shall be calculated on the amount deposited by him and be payable in respect of each completed year following the date of maturity and also in respect of any period less than a year, provided such period is not less than six months subsequent to the 30th September, 1966. Payment will be made to the depositor in one lump sum at the time the deposit is claimed by him after the date of maturity.

(1) On deposits maturing on or before the 1st October, 1961 at 3½per cent per annum for each completed year;

(2) On deposits maturing after the 1st October 1961;

(i) for each completed year as aforesaid ending on or before the 30th March, 1967 at 3½ per cent per annum;

(ii) for each completed year as aforesaid ending on or after the 31st March, 1967 at 3½ per cent per annum in respect of that portion of the completed year prior to, and including the 30th September, 1966; and 4½ per cent per annum or the remaining portion of the completed year;

(iii) for each completed year ending on or after the 30th September, 1967, and any part of a year, immediately following such completed year and not being less than six months, as also for any other part of a year, if such part consists of not less than six months subsequent to the 30th September, 1966, at 4½ per cent per annum."

A. G. KRISHNAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT & COMPANY AFFAIRS

New Delhi, the 12th April 1967

No. 18(4)PP&D/67.—By virtue of the powers vested in the Government of India under Rule (3) of the Rules of the National Productivity Council which has been registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (Act XXI of 1860) and in supersession of the Ministry of Industry Notification No. 18(1)Prod/66, dated the 17th February 1966, the Government of India hereby nominate under clause (a) of the said Rule, Shri Fakhruddin Ali Ahmed, Minister of Industrial Development and Company Affairs as President of the National Productivity Council with immediate effect.

R. K. RANGAN, Dy. Secy.

(Department of Industrial Development)

RESOLUTION

New Delhi, the 18th April 1967

No LEI(A)16(5)/64—In partial modification of the Late Ministry of Industry and Supply Resolution No LEI(A) 16(5)/64 dt the 17th September 1965, the Government of India have decided to make the following change in the composition of the Advisory Committee for the Development of Medical Instruments, Equipment and Appliances —

Brig. M N Patel, D R & D(G) in his absence Major Sohan Singh DAD(GS)TD 9 Department of Defence Production DHQ, P O, New Delhi 11, *vice* Brig N N. Chopra—Member

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information

D R SUNDARAM, Jt Secy.

MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS

(Department of Mines & Metals)

CORRIGENDA

New Delhi, the 13th April 1967

No. 21/21/66-MI/MIII—In the notification of the late Ministry of Mines and Metals No 21/21/66-MI/MIII dated the 26th November, 1966 published at pages 786 to 795 in the Gazette of India, Part I, Section 1, dated the 26th November, 1966 :—

1	at Page 787, column 1, para 5, Note 1,	for "completed" read "competed".
	Appendix I	
2.	at Page 789, column 1, sub-para 4 of Section IV under GEOLOGY I,	for "nappers" read "nappes"
3	at Page 790, column 1, para 8,	for "Goelogy" read "Geology";
4.	at Page 790, column 2, sub-para 3 of para 10,	for "of hoising" read "and hoisting";
5	at Page 791, column 1, heading of para 12,	for "Geoghysics" read "Geophysics",
6.	at Page 791, column 2, sub-para 12 of para 12,	for "hadling" read "handling",
7.	at Page 791, column 2, sub-para 5 of para 13,	for "ultramentamorphism" read "ultrametamorphism",
8	at Page 792, column 1, sub-para 3 of para 15,	for "Gondwaraland" read "Gondwanaland";
9	at Page 792, column 1, sub-para 7 of para 16,	for "Ontogency" read "Ontogeny";
	Appendix II	
10	at Page 793, column 1, sub-para (*i*) of para 6,	for "condition" read "conditions",
11	at Page 793, column 1, Note 1, under para 6, line 3,	for "exceed -4 00D" read exceed +4 00D";
12	at Page 793, column 1, last column against item 2 under sub-para (*ii*) of para 6,	for "1 3 mm" read "13 mm";
13.	at Page 793, column 1, sub-para (*iii*) of para 6,	for "case" read "ease";
14	at Page 794, column 1, sub-para 4 under Medical Board's Report,	for "payment" read "payments",
15	at Page 795, column 1, para 12	for "varicocle" read "varicocele"

A SETHUMADHAVAN
Under Sec.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

RESOLUTION

New Delhi, the 28th March 1967

No 14 5 67 EP—The Government of India have decided to appoint Shri A Oswald, Assistant Inspector General of Forests, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Agriculture) as Member Secretary of the *ad hoc* Committee on the Export of Forest Products set up *vide* Ministry of Food & Agriculture (Department of Agriculture)'s Resolution No. 14-15/64-EP dated the 28th November, 1964 *vice* Shri S L Katyal.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Government/Union Territories, Ministries of the Government of India

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

HARI SINGH
Inspector General of Forests and
Ex officio Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 12th April 1967

SUBJECT : National Council for Rural Higher Education.

No F. 1 2/66HE2—In continuation of this Ministry notification of even number dated 27th February, 1967 on the subject mentioned above, the following change is hereby notified in the composition of the National Council for Rural Higher Education:

(a) *Ex-officio*

For	*Read*
Shri Fakhruddin Ali Ahmed, (Chairman)/Minister for Education, Government of India, New Delhi.	Dr. T. Sen, (Chairman) Minister for Education, Government of India, New Delhi.

D. K. HINGORANI,
Deputy Educational Adviser

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

RESOLUTION

New Delhi, the 13th April 1967

No WB-4(7)/67—In partial modification of the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) Resolution No WB-4(3)/64 dated the 12th December, 1964, Shri Bharat Doshi is appointed as a Member representing employers on the Central Wage Board for Engineering Industries *vice* Shri P. Bhattacharji resigned.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D R. SETH, Dy. Secy.

PRINTED IN INDIA BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1967